lucknow.amarujala.com
लखनऊ
MY City
25 दिसंबर 2017
सोमवार
अमर उजाला

ट्रेन में घर जैसी सुविधाएं ... पेज-07

आठ विभूतियों को मिला यूपी सम्मान

लखनऊ। लखनऊ दूरदर्शन ने 'स्वागत 2018' के आयोजन में प्रसिद्ध रंगकर्मी और भारतेन्दु नाट्य अकादमी के संस्थापक राज बिसारिया को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। गन्ना संस्थान प्रेक्षागृह में रविवार को आयोजित समारोह में विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान आठ अन्य लोगों को यूपी सम्मान से नवाजा गया। सम्मान पाने वालों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के लिए आशुतोष दुबे (लखनऊ), साहित्य में श्रीराम शंकर अवस्थी (अमेठी), ललित कला के लिए कालीदीन विश्वकर्मा (महोबा), संगीत के लिए कन्हैया लाल पांडेय (लखनऊ), नाटक में महेश चंद्र देवा (लखनऊ), पर्यावरण के लिए भरत राज सिंह (लखनऊ), कृषि में राजेंद्र सिंह (बस्ती) और बालिका शिक्षा में दीप्ति शुक्ल (इलाहाबाद) शामिल हैं। दीप्ति शुक्ल समारोह में अनुपस्थित रहीं।

तृप्ति शाक्या

तृप्ति शाक्या और देवेश के गीतों पर झूमें श्रोता

लखनऊ। 'स्वागत-2018' में गायक देवेश चतुर्वेदी ने नए साल पर आधारित स्वरचित गीत-'आया नया साल आया, नई सौगातें ये लाया..' सुनाया। प्रसिद्ध गायिका तृप्ति शाक्या ने अपने प्रसिद्ध भजन 'कभी राम बन के, कभी श्याम बन के' के अलावा 'सत्यम शिवम सुंदरम' गाकर दिल जीता। उन्होंने 'छाप तिलक सब छीनी रे' और 'दमादम मस्त कलंदर' जैसे सूफी गीत भी सुनाए। पुनीत मित्तल एवं साथियों ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया जबकि रजनीश त्रिवेदी ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया।